विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम दिनांक -22 - 01 - 2022

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

समास

समास की परिभाषा

समास का तात्पर्य होता है - संछिप्तीकरण। इसका शाब्दिक अर्थ होता है छोटा रूप। अथार्त जब दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर जो नया और छोटा शब्द बनता है उस शब्द को समास कहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जहाँ पर कम-से-कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रकट किया जाए वह समास कहलाता है।

संस्कृत, जर्मन तथा बहुत सी भारतीय भाषाओँ में समास का बहुत प्रयोग किया जाता है। समास रचना में दो पद होते हैं, पहले पद को 'पूर्वपद' कहा जाता है और दूसरे पद को 'उत्तरपद' कहा जाता है। इन दोनों से जो नया शब्द बनता है वो समस्त पद कहलाता है।

समास के उदाहरण-

- कमल के सामान चरण- चरणकमल
- रसोई के लिए घर- रसोईघर
- घोड़े पर सवार - घुड़सवार
- देश का भक्त - देशभक्त
- राजा का पुत्र - राजपुत्र आदि।

सामासिक शब्द या समस्तपद- जो शब्द समास के नियमों से बनता है वह सामासिक शब्द या समस्तपद कहलाता है।

पूर्वपद एवं उत्तरपद- सामासिक शब्द के पहले पद को पूर्व पद कहते हैं एवं दुसरे या आखिरी पद को उत्तर पद कहते हैं।

समास विग्रह- सामासिक शब्दों के बीच के सम्बन्ध को स्पष्ट करने को समास विग्रह कहते हैं। विग्रह के बाद सामासिक शब्द गायब हो जाते हैं अथार्त जब समस्त पद के सभी पद अलग-अलग किय जाते हैं उसे समास-विग्रह कहते हैं।

जैसे- माता-पिता = माता और पिता।

समास के भेद

समास के छः भेद होते है-

1. **तत्पुरुष समास**
2. **अव्ययीभाव समास**
3. **कर्मधारय समास**
4. **द्विगु समास**
5. **द्वंद्व समास**
6. **बहुव्रीहि समास**